स्कूली बच्चों का बर्फ़ीला तूफ़ान

मार्टी रोड्स फिगले

चित्र: शैली ओ. हास

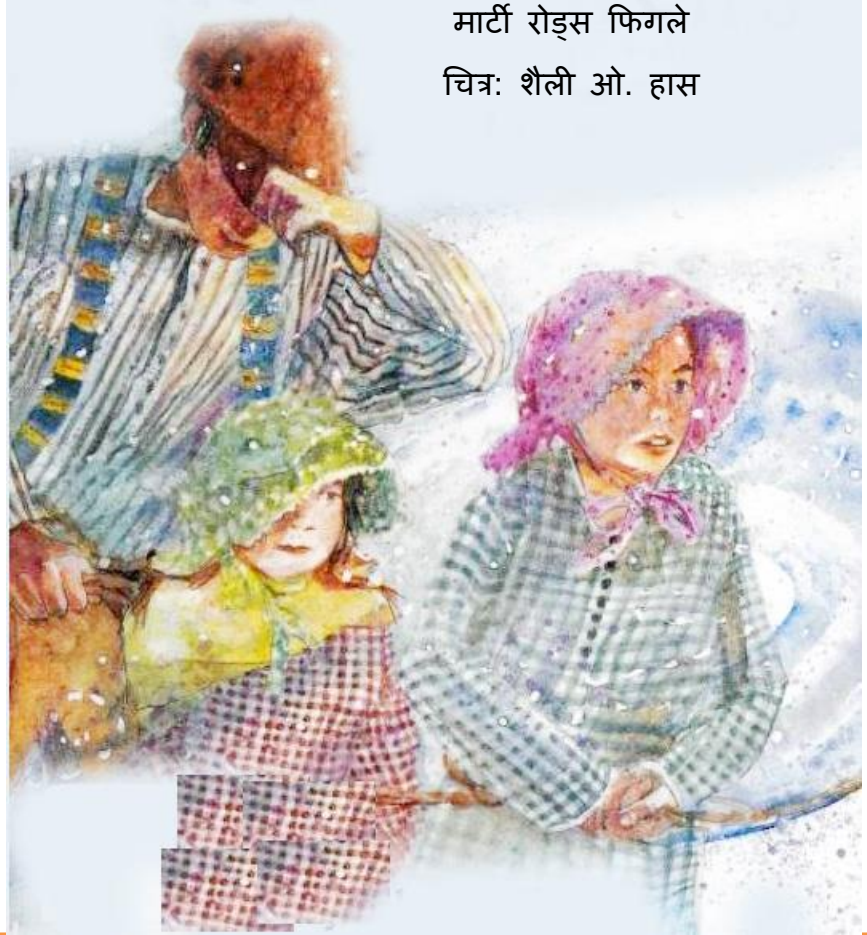

स्कूली बच्चों का बर्फ़ीला तूफ़ान

मार्टी रोड्स फिगले

चित्र: शैली ओ. हास

सेंट्रल नेब्रास्का

12 जनवरी, 1888

सारा की छोटी बहन उसे कभी-कभी परेशानी करती थी.

सारा और उसकी बहन स्कूल तक का आधा रास्ता तय कर चुके थे.

तब एनी ने कहा, "मैं अपना लंच बॉक्स भूल गई."

"मैं अपना दोपहर का भोजन तुम्हारे साथ साझा करूंगी," सारा ने कहा.

"नहीं, मुझे अपना ही लंच बॉक्स चाहिए," एनी ने कहा. "उसमें कुछ ख़ास है."

एनी कल ही सात साल की हुई थी.

आज सुबह, माँ ने उनके लंच बॉक्स में अंडे के सैंडविच पैक किए थे

और बचे हुए जन्मदिन का केक भी.

आमतौर पर, वे खाने में चीनी में पकाए हुए आलूबुखारे खाते थे.

"अगर हम घर वापस जायेंगे तो हमें स्कूल के लिए देरी हो जाएगी," सारा ने कहा.

"हमें अपनी टीचर को निराश नहीं करना चाहिए.

तुम्हें पता है कि मिस फ्रीमैन हमेशा क्या कहती हैं.

सबसे पहले स्कूल पहुँचने वाले को ही फायदा होता है."

"मुझे उसकी कोई परवाह नहीं है," एनी ने कहा.

"मुझे अपना केक चाहिए."

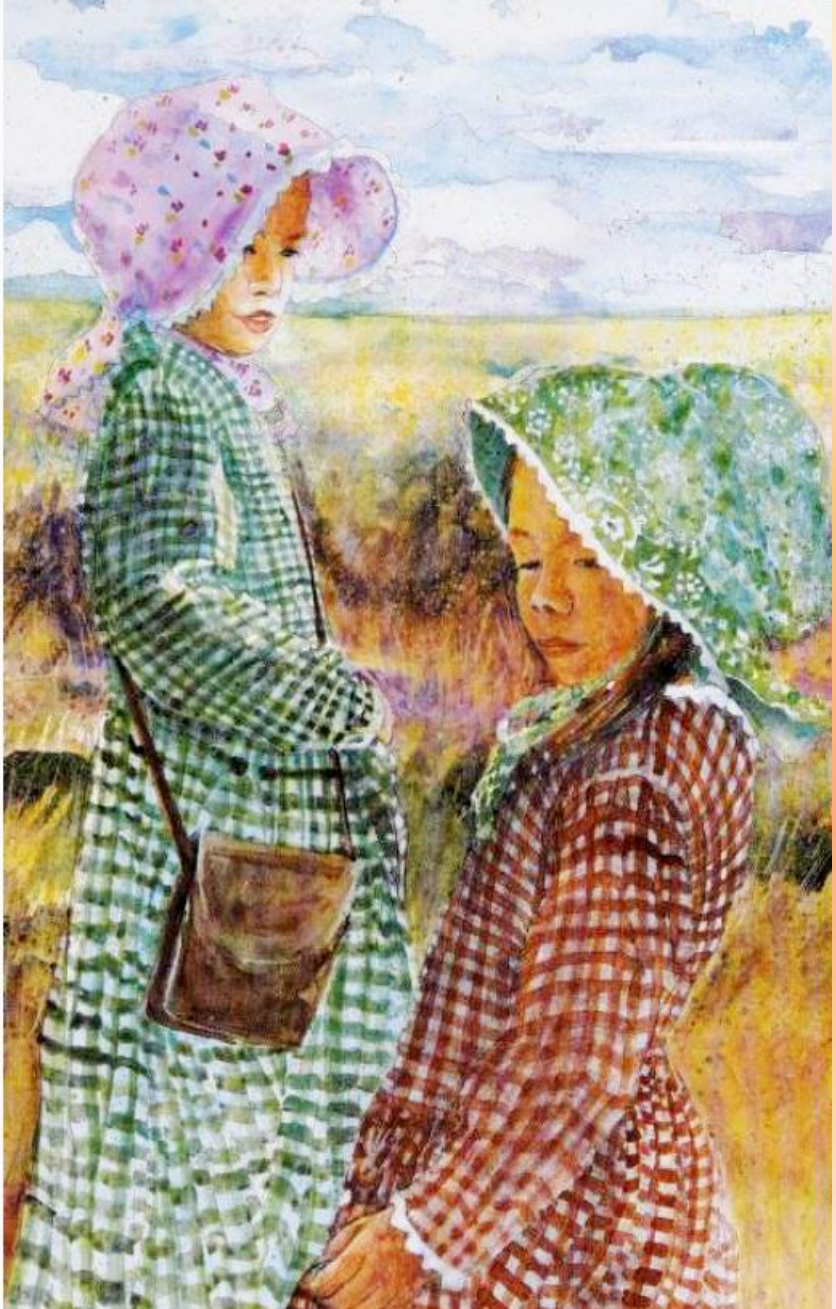

जब वे घर वापस भागे तो सारा और एनी की स्कर्ट उनके पैरों से फड़फड़ा रही थीं.

उनका घर नेब्रास्का प्रेयरी में एक मील से भी अधिक दूरी पर था.

"कम-से कम तुम अच्छे दिन अपना दोपहर का खाना भूलीं," सारा ने कहा.

"देखो, जनवरी का महीने इतना गर्म नहीं होता है."

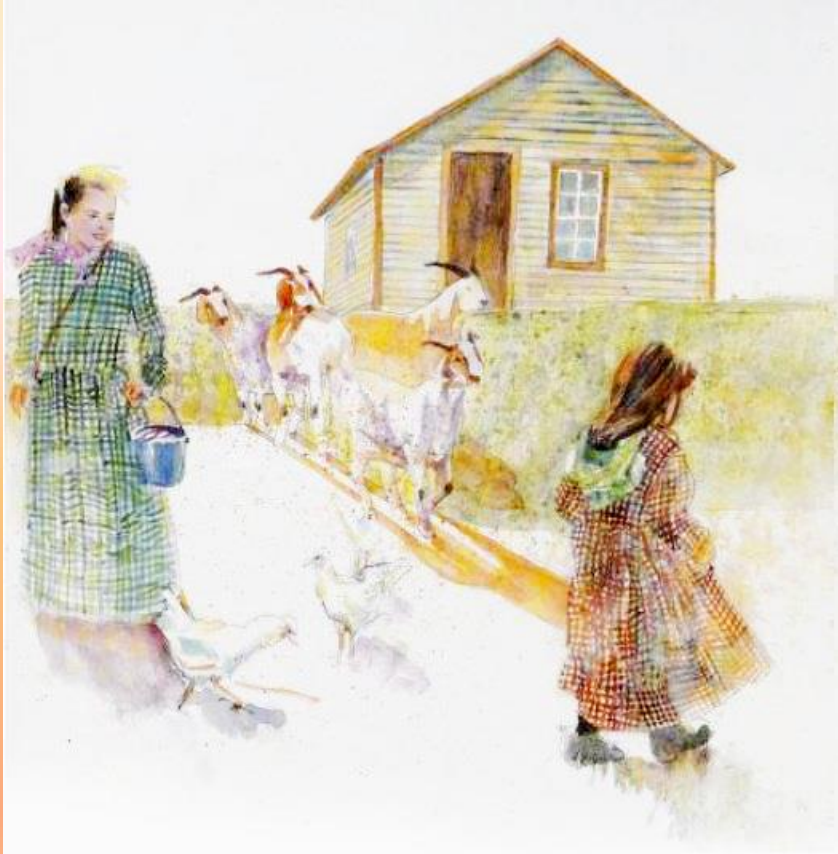

माँ खेत में, बाहर डोरी पर कपड़े सुखा रही थी.

"मुझे लगा था कि तुम उस केक के लिए वापस ज़रूर आओगी," माँ ने हंसते हुए कहा.

उन्होंने एनी को उसका लंच बॉक्स दिया और उसे भगा दिया.

"अब स्कूल जाओ, देर मत करो."

लड़कियां स्कूल के पूरे रास्ते भागती हुई गईं.

वो वहां बिल्कुल समय पर पहुंचीं.

उनकी टीचर, मिस मिन्नी फ्रीमैन, दरवाज़े पर ही खड़ी थीं.

वो स्कूल की घंटी बजा रही थीं.

मिस फ्रीमैन ने हैलो में अपना सिर हिलाया.

"मैं सोच रही थी कि क्या तुम आज स्कूल आओगी," उन्होंने कहा.

एनी ने उन्हें भूले हुए लंच बॉक्स के बारे में बताया.

मिस फ्रीमैन मुस्कुराईं.

"कोई बात नहीं. अंदर जाओ, लड़कियों."

मिस फ्रीमैन बहुत दयालु थीं, सारा ने सोचा.

और वो बहुत कुछ जानती थी.

वो किसी भी शब्द की स्पेल कर सकती थीं और अपने दिमाग में 10 नंबरों को एक-साथ जोड़ सकती थीं.

अगर वो मेहनत से पढ़ाई करे तो हो सकता है कि सारा भी एक दिन टीचर बन जाए.

वो अपने लंबे बालों को अपने सिर के ऊपर एक ढेर में बांधती थी.

वो बड़े कोमल स्वर में बात करती थी.

वो मिस फ्रीमैन की तरह हमेशा समय पर स्कूल पहुंचती थी.

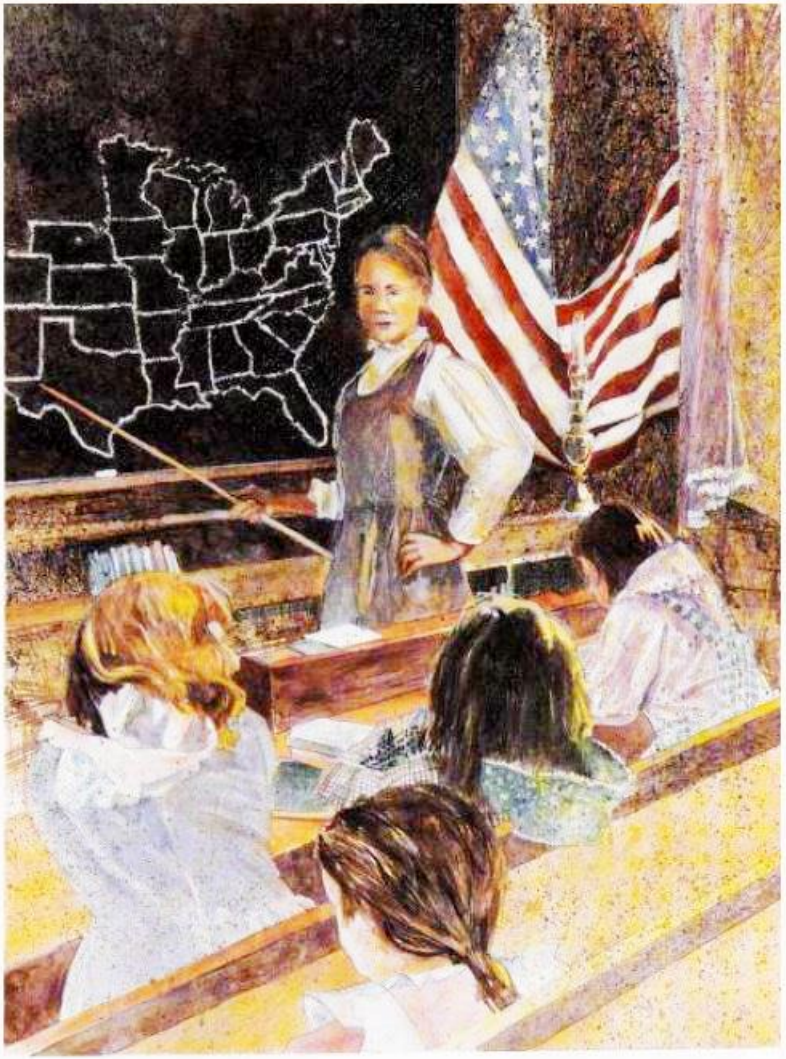

मिडवैल स्कूल में केवल एक ही कमरा था.

प्रेयरी पर बहुत कम पेड़ थे.

इसलिए, स्कूल लकड़ी का नहीं बना था.

उसके बजाय, दीवारों के निर्माण के लिए मिट्टी के बड़े ब्लॉकों (सोड) का इस्तेमाल किया गया था.

मिट्टी के ब्लॉक्स को घास की जमीन से काटा गया था.

मोटी घास की जड़ों ने मिट्टी को एक-साथ पकड़कर रखा था.

स्कूल के अंदर की दीवार और फर्श मिट्टी के बने थे.

लेकिन सारा को वो कमरा आरामदेह और खुशमिजाज लगता था.

मिस फ्रीमैन ने खिड़कियों पर केलिको कपड़े के पर्दे लटकाए थे.

उन्होंने कोयले के चूल्हे के सामने के फर्श को ढकने के लिए एक गलीचा बिछाया था.

मिडवैल स्कूल में सोलह छात्र पढ़ते थे.

सबसे छोटा रेचल सिर्फ 6 साल का था.

सबसे बड़े जेक और सेठ, 15 साल के थे.

सारा बीच में थी.

वो 9 वर्ष की थी.

उस सुबह सारे बच्चे राज्यों के नाम याद कर रहे थे.

उन्होंने पढ़ने का अभ्यास और वर्तनी पर भी काम किया.

उन्होंने अपनी स्लेट पर लिखने का अभ्यास किया.

भोजन के समय, मिस फ्रीमैन ने कहा,

"आज का दिन वसंत जैसा है. चलो अपना लंच बाहर लेकर चलते हैं."

हमेशा की तरह एनी ने सारा को परेशान किया.

उसने सारा का केक का टुकड़ा खाने की कोशिश की.

"तुम मेरा केक नहीं खा सकती हो," सारा ने कहा.

"यह केक मेरे जन्मदिन का है, तुम्हारा जन्मदिन का नहीं," एनी ने भौहें चढ़ाते हुए कहा.

फिर उसने कहा, "घर पर अगर कोई केक बचा होगा, तो वो सब मेरा होगा."

"हम उसके बारे में देखेंगे," सारा ने कहा.

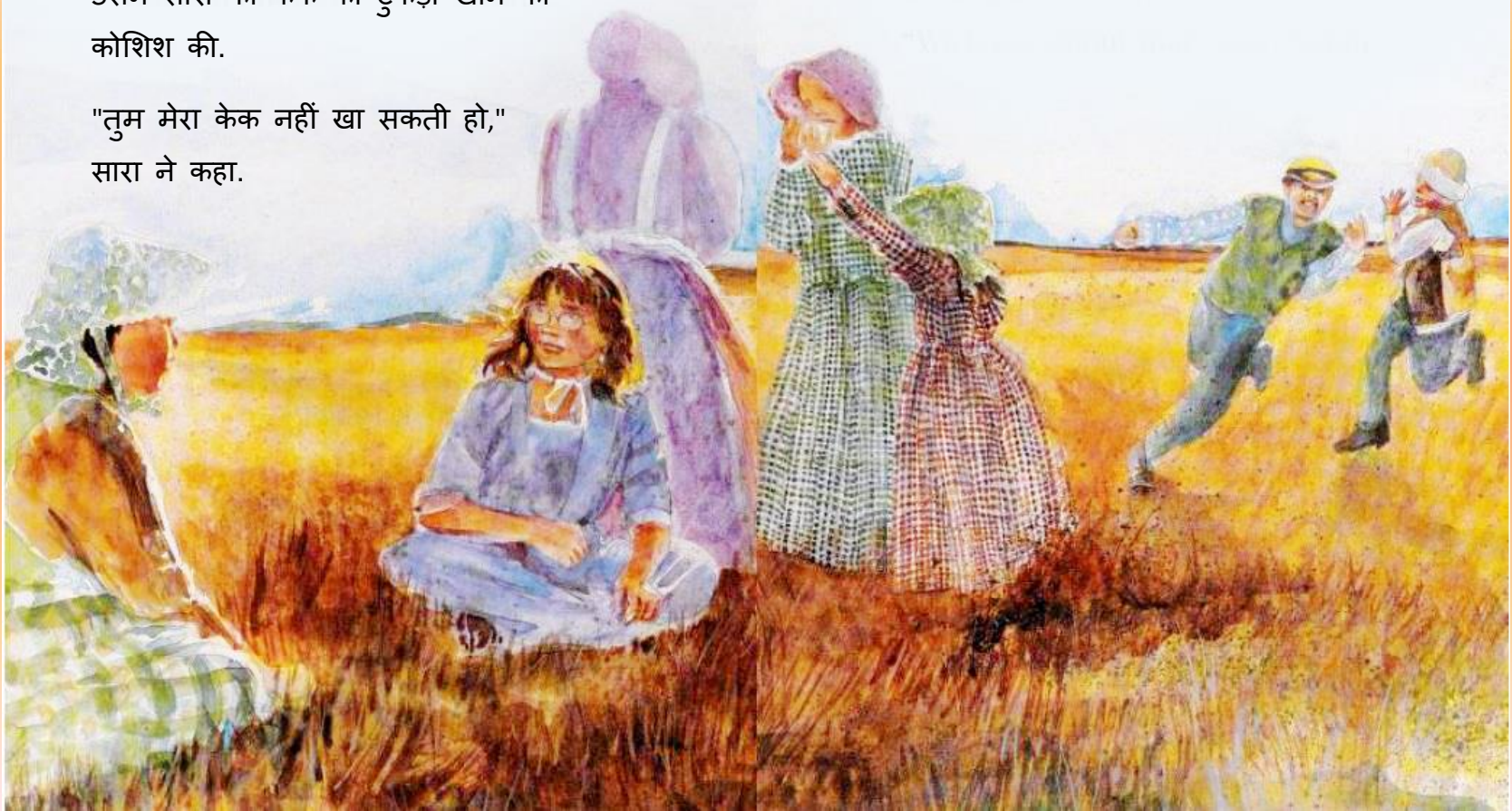

अवकाश के समय, सारा अन्य बच्चों के साथ डक, डक, गूज का खेल खेलने के लिए शामिल हुई.

"मैं भी वो खेल खेलना चाहती हूँ," एनी ने कहा.

जब उसकी बारी आई, एनी ने "डक, डक, गूज," नहीं कहा.

उसने बार-बार सिर्फ "डक" ही कहा.

कुछ लड़कियाँ खिलखिला का हंस पड़ीं.

"तुम सही नहीं खेल रही हो," सारा ने उससे कहा.

एनी ने फिर गुस्से में अपना मुंह बनाया.

"तुम मेरे साथ इसलिए खेलना पसंद नहीं करती हो क्योंकि मैं छोटी हूँ," उसने फुसफुसाया.

"यह सच नहीं है," सारा ने कहा.

"पर खेलते समय तुम्हें भी नियमों का पालन करना होगा."

एनी कुछ दूर चली गई.

वो प्रेयरी के पार घूरने लगी.

अचानक उसने सारा का हाथ पकड़ लिया.

सारा ने एनी की निगाह का पीछा किया.

उसका दिल एक डरे हुए प्रेयरी खरगोश की तरह धक-धक करने लगा.

आसमान बिल्कुल ठीक नहीं लगा रहा था.

ऐसा लग रहा था जैसे बादल जमीन पर गिर पड़ा हो.

बादल, प्रेयरी से स्कूल की ओर लुढ़क रहे थे.

और वे बड़े तेजी से आगे बढ़ रहे थे.

तुरंत हवा ठंडी हो गई.

और एक मालगाड़ी की तरह दहाड़ने लगी.

"अंदर भागो!" सारा चिल्लाई.

वो एनी को स्कूल के अंदर खींच कर ले गई.

मिस फ्रीमैन ने पूरी ताकत से घंटी बजाई.

"आओ, बच्चों, जल्दी!"

जब बच्चे अंदर सुरक्षित आ गए तब मिस फ्रीमैन ने दरवाजा बंद कर दिया.

फिर उन्होंने दरवाज़े को कसकर बांध दिया.

छात्र चूल्हे के पास दुबककर बैठ गए.

कमरा हर मिनट ठंडा होता जा रहा था.

सारा कांपने लगी.

हर कोई डरा हुआ लग रहा था, यहां तक कि जेक और सेठ भी.

सारा ने उससे पहले उन्हें कभी किसी चीज से डरते हुए नहीं देखा था.

मिस फ्रीमैन ने कहा, "गर्म रखने के लिए हमारे पास चूल्हे में जलाने के लिए काफी कोयला है."

"तूफान खत्म होने तक हम सुरक्षित रहेंगे."

सारा ने अपने बर्फीले हाथों को आपस में रगड़ा.

उसे उम्मीद थी कि उनकी टीचर सही कह रही थीं.

हवा, भेड़ियों के झुंड की तरह गरज रही थी.

खिड़कियाँ खड़खड़ा रही थीं.

दुर्घटना!

तभी दरवाजा टूट गया.

और स्कूल में बर्फ की चादर अंदर घुस गई.

मिस फ्रीमैन ने दरवाज़ा बंद करने की कोशिश की.

हवा ने दरवाज़े के चमड़े के कब्ज़े तोड़ दिए थे.

जेक और सेठ ने कब्ज़ों को ठीक किया,
लेकिन दरवाजा फिर से खुल गया.

राहेल रोने लगी.

लड़कों ने एक हथौड़ा लिया और कीलों से
दरवाजा बंद कर दिया.

सारा को उम्मीद थी कि कीलें दरवाज़े को
पकड़कर रखेंगी.

एनी सारा से सटकर खड़ी हो गई.

"सब कुछ ठीक हो जाएगा," सारा ने कहा.

उसने एनी के बाल सहलाए.

तभी स्कूल की छत का एक हिस्सा उड़ गया.

बच्चों और चूल्हे के जलते कोयले पर बर्फ गिरने लगी.

सारा ने नहीं रोने की कोशिश की.

अब उनका स्कूल टूट गया था!

अब स्कूल एक सुरक्षित स्थान नहीं था.

अगर वे वहीं रुके रहते, तो ठंड से जमकर उनकी मौत हो सकती थी.

अगर वे वहां से जाते, तो वे बर्फ़ीले तूफ़ान में खो सकते थे.

वे गहरी बर्फ में दब कर दफ़न भी हो सकते थे.

वे अब क्या करें?

मिस फ्रीमैन चिल्ला रही थीं.

सारा, गरजती हवा में मिस फ्रीमैन को बमुश्किल उसे सुन पा रही थी.

"चलो, सब लोग मेरे घर चलो," मिस फ्रीमैन ने कहा.

"मेरा घर केवल आधा मील दूर है."

"मैं नहीं जा सकती," एनी ने सिसकते हुए कहा.

"मुझे ठंड लग रही है. मुझे माँ चाहिए. मुझे घर जाना है!"

सारा को भी ऐसा ही लगा.

फिर उसने अपनी टीचर की तरफ देखा.

मिस फ्रीमैन ने पीछे मुड़कर शांति से सारा की आँखों में देखा.

सारा ने मुस्कुराने की कोशिश की.

वो भी मिस फ्रीमैन की तरह बहादुर बनेगी.

मिस फ्रीमैन ने बच्चों को एक कतार में खड़ा किया.

फिर उन्होंने सभी बच्चों को एक लंबी रस्सी से बांध दिया.

सारा ने सुनिश्चित किया कि वो एनी के बगल में रहे.

"हम यह कर सकते हैं, बच्चों," मिस फ्रीमैन ने कहा.

"रस्सी हमें एक साथ रखेगी. मैं तुम्हें रास्ता दिखाऊंगी."

वे खिड़की से बाहर निकले और फिर उन्होंने घुटनों तक गहरी बर्फ में कदम रखा.

एनी और राहेल की मदद के लिए जेक सबसे पीछे रहा.

मिस फ्रीमैन चिल्लाई, "डरो मत. मेरे पीछे-पीछे आओ!"

बर्फ़ीले तूफ़ान ने सारा को सफ़ेद दीवार की तरह घेर लिया था.

वो तेज़ हवा में आँख बंद करके लड़खड़ाती रही.

उसकी पलकें जमकर बंद हो गई थीं.

उसने कड़ी, जमी हुई रस्सी को कसकर पकड़ रखा था.

"क्या तुम वहाँ हो, एनी?" वो चिल्लाई.

"मैं अभी भी यहाँ पर ही हूँ!"

एनी, सारा के ठीक पीछे थी.

ऐसा लगा जैसे उसकी आवाज बहुत दूर से आ रही हो.

सारा के चेहरे पर एक हज़ार बर्फीली सुइयाँ चुभ रही थीं.

लेकिन वो चलती रही.

बर्फ लगभग उसकी कमर तक आ गई थी.

"चलते रहो, बच्चों," मिस फ्रीमैन चिल्लाई. "एक बार में सिर्फ एक कदम!"

ऐसा लग रहा था जैसे घंटे बीत गए हों.

ठंडी हवा में सारा को सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था.

बर्फ का ढेर ऊंचा, और ऊंचा होता जा रहा था.

निश्चित रूप से, वे आधा मील ज़रूर चल चुके थे.

सारा को अपने पैर बर्फ के दो ब्लॉक की तरह महसूस हो रहे थे.

उसके पैर उसकी स्कर्ट से आपस में उलझ गए थे.

फिर वो लड़खड़ाई और बर्फ में गिर गई.

वो बहुत थकी हुई थी.

शायद वो कुछ देर आराम कर सके.

"उठ जाओ!" कोई चिल्लाया.

"हम बहुत धीमी गति से नहीं जाना चाहते हैं!

सबसे पहले पहुँचने वाले को ही फायदा होगा."

वो एनी थी.

उसने अपने छोटे-छोटे हाथों ने सारा को ऊपर खींचने में मदद की.

तब एनी ने उसे आगे बढ़ाया.

सारा को लगा कि उसके गालों पर आंसू जम गए हैं.

पर एनी ने उसे संघर्ष छोड़ने नहीं दिया.

अंत में वे सभी मिस फ्रीमैन के घर पहुंचे.

सारा और एनी दूसरे बच्चों के साथ बरामदे में पहुँचे.

एक धधकती आग ने कमरे को गर्म कर दिया.

"मुझे तुम सब पर गर्व है," मिस फ्रीमैन ने कहा.

उन्होंने प्रत्येक बच्चे को गले लगाया, यहाँ तक कि जेक और सेठ को भी.

सारा जानती थी कि मिस फ्रीमैन के कारण वे सभी सुरक्षित बचे थे.

बाद में शाम के समय वो बर्फ़ीला तूफ़ान ख़त्म हो गया.

गहरी बर्फ में घर जाने के लिए बहुत अंधेरा था.

सारा और एनी ने मिस फ्रीमैन की चिमनी के सामने सोफे पर आराम किया.

उन्होंने कम्बल ओढ़ा और गर्म दूध पिया.

मिस फ्रीमैन ने कहा कि कल सुबह, माँ और पापा गाड़ी लेकर आएंगे.

तब वे घर जा सकेंगे.

एनी ने फुसफुसाया, "मुझे आशा है कि माँ ने हमारे लिए जन्मदिन का कुछ केक बचाकर ज़रूर रखा होगा."

सारा ने उसे गले लगाया.

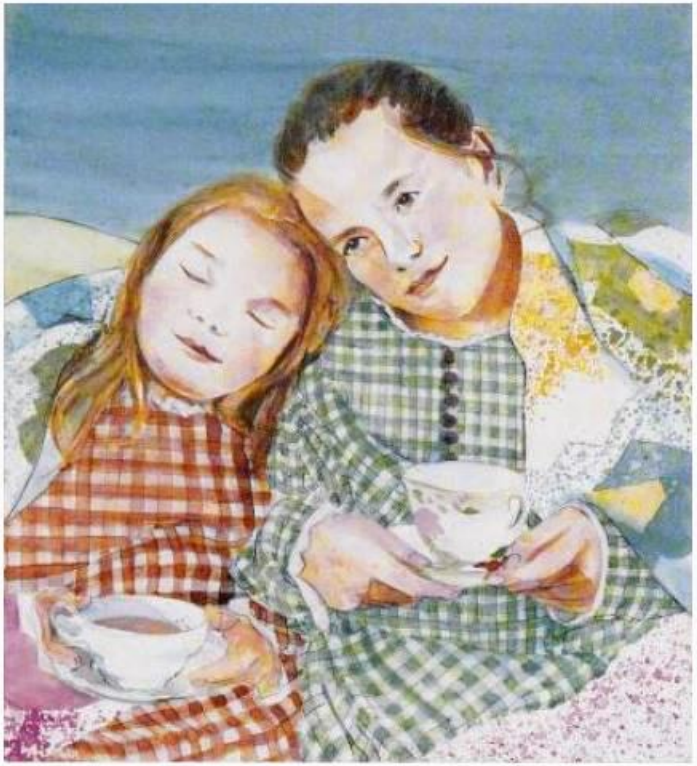

"आज तुम बहुत बहादुर थी, एनी.

अगर कोई केक बचा होगा, तो वो सब तुम्हारे लिए होगा.

तुम इसके लायक हो."

अंत के शब्द

सारा और एनी असली बच्चे नहीं थे. लेकिन यह सच है कि 12 जनवरी, 1888 को पूरे मध्य संयुक्त राज्य में एक घातक तूफान आया था. प्रेयरी परिवारों के पास खतरे के बारे में एक-दूसरे को चेतावनी देने के लिए तब रेडियो या टेलीफोन नहीं थे. नेब्रास्का में, तूफान को स्कूली बच्चों का बर्फ़ीला तूफ़ान कहा जाता है क्योंकि कई बच्चे स्कूल से घर जाते समय मर गए.

मिन्नी फ्रीमैन की कहानी भी सच है. वो 19 साल की थी जब वो अपने छात्रों को मिडवैल स्कूल से सुरक्षित ले गयीं. देश भर के अखबारों के पत्रकारों ने उनकी बहादुरी के बारे में लिखा. उन्हें 80 से ज्यादा शादी के प्रस्ताव मिले. उनके सम्मान में एक गीत भी लिखा गया. नेब्रास्कन स्कूली बच्चों के बर्फ़ीले तूफ़ान को लोग कभी नहीं भूले. कुछ बचे लोगों ने एक क्लब बनाया. "द ब्लिजार्ड क्लब" ने अमेरिकी इतिहास के सबसे खतरनाक तूफानों में से एक की अपनी यादों को साझा करने के लिए "इन ऑल इट्स फ्यूरी" नामक एक पुस्तक भी प्रकाशित की.